जयशंकर प्रसाद

एम. ए. - सेम 2

पेपर-4

1. प्रसाद की रचना-दृष्टि पर इतिहास और दर्शन की स्पष्ट छाप है स-तर्क सिद्ध कीजिए ।
2. जयशंकर प्रसाद छायावादी युग के एक कुशल गद्यकार है, सिद्ध कीजिए ।
3. जयशंकर प्रसाद के रचनाओं की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए ।
4. जयशंकर प्रसाद छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभों में से एक है स्पष्ट कीजिए ।
5. प्रसाद की कहानी कला पर पठित कहानियों के आधार पर प्रकाश डालिए।
6. कहानी के तत्वों के आधार पर `आकाशदीप` कहानी की समीक्षा कीजिए ।
7. जयशंकर प्रसाद की निबंध शैली की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।
8. पुरस्कार कहानी की शिल्पगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
9. पुरस्कार कहानी में मधुलिका का चरित्र चित्रण कीजिए ।
10. पुरस्कार कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए ।
11. प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति को प्रसाद ने बड़ी सूक्ष्मता से प्ररस्तुत किया है,उसमे केवल सूक्ष्म रेखाएँ ही नहीं मिलती तत्कालीन वातावरण का सजीव अंकन की रंगीनी भी मिलती है, कथन के परिप्रेक्ष्य में जयशंकर प्रसाद कृत `स्कंधगुप्त` की विवेचना कीजिए।
12. प्रसाद के प्रायः सभी नाटकों में किसी न किसी नारी-पात्र की अवतारणा हुई है जो धरती के दुखपूर्ण अंधकार के बीच प्रसन्नता की ज्योति की भांति उद्दीप्त है कथन के आधार पर `स्कंधगुप्त`के मुख्य नारी चरित्र पर प्रकाश डालिए ।
13. `काव्यकला तथा अन्य निबंध` की समीक्षा निबंध-कला के तत्वों के आधार पर कीजिए ।
14. `प्रसाद के निबंधों में दर्शन की स्पष्ट छाप लक्षित होती है`पठित निबंधों के आधार पर स्पष्ट कीजिए
15. टिप्पणियाँ लिखों।

    1 छायावादी रचनकार प्रसाद ।

    2 `मधुआ` कहानी की मूल संवेदना ।

3 प्रसाद की कहानी-कला पर प्रकाश डालिए ।

4 `स्कंधगुप्त`की सोद्देश्यता ।

5 `पुरस्कार`कहानी में राष्ट्रीय भावना ।

6 `आकाशदीप` कहानी की विशेषताएँ ।

7`चम्पा` का चरित्र चित्रण ।

16.